विद्या भारती
अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान
वार्षिक प्रतिवेदन 2025–26

कुलगीत

विद्याभारतीशिक्षावीणा, गुञ्जति लोके निरन्तरा।
प्राचीनैषा तदपि नवीना विश्वगुरोर्या परंपरा॥ध्रुव.॥

ज्ञानमयो विज्ञानमयोभिज्ञानमयो निज इतिहासः।
परमोत्कर्षिणी परम्परा या निदिध्यासने विश्वासः॥

सदा विजेत्री भारतमातुः गुञ्जितगीतास्वरमुखरा।
विद्याभारतीशिक्षावीणा, गुञ्जति लोके निरन्तरा॥
प्राचीनैषा तदपि नवीना .....॥

राष्ट्रसमर्पित सर्वस्वं मे, सेवाभावो हृदयेस्मिन्।
जीवनमूल्याधृतां सुशिक्षां, प्रसारयामि राष्ट्रेस्मिन्।
एवं व्रतं सुस्थिरं कृत्वा, कार्यार्थे स्यात् गतित्वरा।
विद्याभारतीशिक्षावीणा, गुञ्जति लोके निरन्तरा॥
प्राचीनैषा तदपि नवीना .....॥

विश्वमिदं मम बृहत्कुटुम्बं, माताभूमिर्भावनया।
परमसुशीलं धारयाम्यहं, जगद्विनम्रः कामनया।
संस्कृतिगौरवमयं चरित्रं, समरसकर्त्री कृतिरुचिरा।
विद्याभारतीशिक्षावीणा, गुञ्जति लोके निरन्तरा॥
प्राचीनैषा तदपि नवीना .....॥

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान
अखिल भारतीय साधारण सभा 2026 दिल्ली

वार्षिक प्रतिवेदन

मंचासीन आदरणीय अध्यक्ष महोदय, अभिभावक के रूप में हमारे मध्य माननीय सह सरकार्यवाह जी, हमारे संगठन मंत्री जी, सामने बैठे आदरणीय ब्रह्मदेव शर्मा (भाई जी) सहित देश भर से पधारे विद्या भारती के पदाधिकारी तथा साधारण सभा के सम्माननीय सदस्यगण! राष्ट्रीय शिक्षानीति और विचारधारा की निर्माण स्थली, देश की शिक्षा, संस्कृति और प्रशासन का केन्द्र, भारत की राजधानी दिल्ली में आपका हृदय से स्वागत एवं अभिनन्दन है। महाभारत में वर्णित पाण्डवों की राजधानी 'इन्द्रप्रस्थ', संस्कृति, इतिहास और भारतीयता का जीवन्त केन्द्र है। भारत की विविधता के दर्शन, एकता एवं अखण्डता की प्रतिमान दिल्ली में सभी राज्यों के लोग निवास करते हैं, जिनकी भाषा, वेष-भूषा, रीति-रिवाज, खान-पान भिन्न-भिन्न हैं। मानो यह रंग बिरंगे पुष्पों का एक सुन्दर बगीचा है जोकि भारत की संस्कृति को सुगंधित कर रहा है। यही विविधता हमारे राष्ट्र की विशेषता एवं गौरव है। भारत मंडपम्, प्रधानमंत्री संग्रहालय, नीति परायणता का प्रतीक सेंगोल स्थापित संसद भवन, कर्तव्य पथ, राष्ट्रपति भवन, अक्षरधाम मन्दिर, शक्तिपीठ माँ कात्यायनी का विशाल मन्दिर, दिल्ली को भारत की राजनीतिक एवं सांस्कृतिक केंद्र का प्रतीक बना देता है।

पिछले वर्ष हम बिहार के 'नालन्दा जिला' मगध साम्राज्य की प्रथम राजधानी, भगवान बुद्ध की धरती राजगीर में एकत्रित हुए थे। वहाँ लिये गये संकल्पों का स्मरण, क्रियान्वयन एवं परिणाम क्या रहे? इस विषय पर विचार करेंगे तथा आगामी वर्ष की योजना भी बनायेंगे।

हर्ष का विषय है कि कल हम सभी विद्या भारती के नूतन केन्द्रीय कार्यालय "विद्या भारती भवन" के लोकार्पण के साक्षी एवम् प्रतिभागी बने, ईश्वर से प्रार्थना है कि हमारा यह कार्यालय 'राष्ट्रीय शिक्षा की प्रेरणा' का केन्द्र बने।

श्रद्धांजलि

एक वर्ष के कालखण्ड में विद्या भारती परिवार एवं समाज में अपनी प्रतिभा, कर्मठता से राष्ट्र को आलोकित करने वाले, अनेक प्रेरणादायी जीवन सदा के लिए हमसे बिछुड़ गए हैं –

- विद्या भारती, महाकौशल प्रान्त के पूर्व संगठनमंत्री श्रद्धेय ब्रह्मानन्द जी
- श्रद्धेय प्रमिला ताई जी, राष्ट्रीय सेविका समिति की पूर्व संचालिका
- पूर्वी उ.प्र. क्षेत्र के वरिष्ठ एवं श्रेष्ठ कार्यकर्ता – स्वर्गीय चिन्तामणि जी
- महाकौशल प्रान्त के पूर्व अध्यक्ष – श्री विश्वेश्वर प्रसाद जी गुप्ता
- पूर्व प्राचार्य एवं केन्द्रीय कार्यालय के सचिव – श्री अजय अवस्थी जी
- उत्तर असम प्रान्त के पूर्णकालीन कार्यकर्ता – श्री चन्द्रकान्त दास जी
- उत्तर असम प्रान्त के पूर्णकालीन कार्यकर्ता – श्री कमल किशोर जी श्रीवास्तव
- दक्षिण असम में संघ के पूर्व प्रचारक पद्मश्री आदरणीय कवीन्द्र जी
- तमिलनाडु प्रान्त के पूर्व सह प्रान्त प्रचारक एवं नागालैण्ड के पूर्व गवर्नर श्री गणेशन जी
- सुश्री रेखा राजे, वरिष्ठ प्रचारिका एवं सह–सरकार्यवाहिका, कानपुर
- पूज्यनीय सद्गुरुदास महाराज, शिव कथाकार, विदर्भ
- श्री रामानंद सागर, रामायण धारावाहिक के सह–निर्माता, कोकण
- श्री शिवराज पाटिल, भूतपूर्व गृहमंत्री एवं राज्यपाल–पंजाब, देवगिरि
- श्री स्वराज कौशल, पूर्व राज्यपाल–सिक्किम, दिल्ली
- श्री यशवंत राव लेले, ज्ञान प्रबोधिनी के संस्थापक सदस्य
- श्री अभिजीत मजूमदार, उड़िया चलचित्र के निर्देशक
- डॉ. माधव गाडगिल, पर्यावरण वैज्ञानिक, कर्नाटक

इनके अतिरिक्त विद्या भारती के कार्यकर्ताओं के परिजन जिनका प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप में संगठन को गति प्रदान करने में सहयोग प्राप्त होता रहा, ऐसे समस्त दिवंगत विभूतियों के कर्तृत्व का पुण्यस्मरण करते हुए यह साधारण सभा दो मिनट का मौन रखकर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती है।

2025–26

कार्य एक दृष्टि में

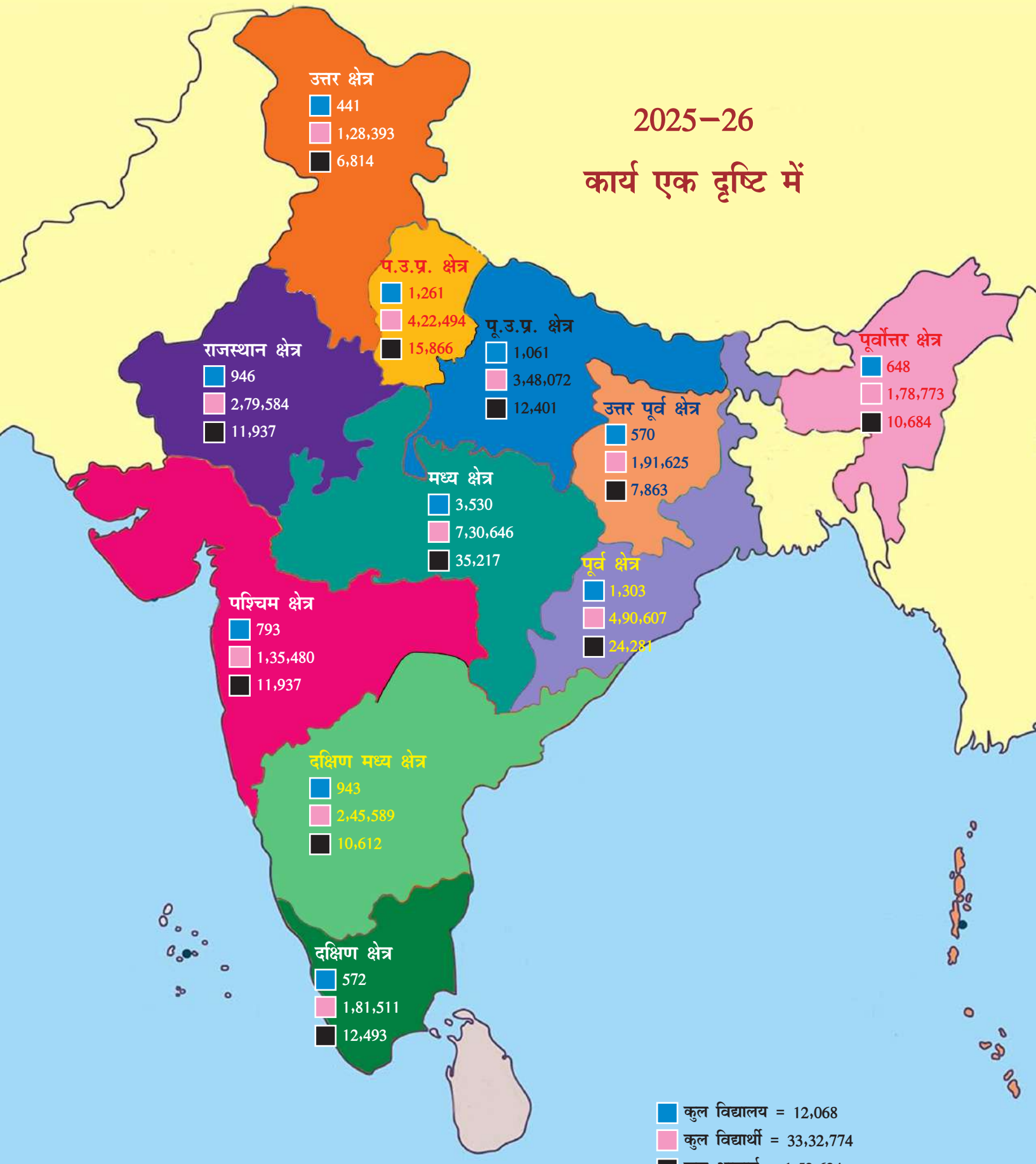

अखिल भारतीय परिदृश्य : 2025–26

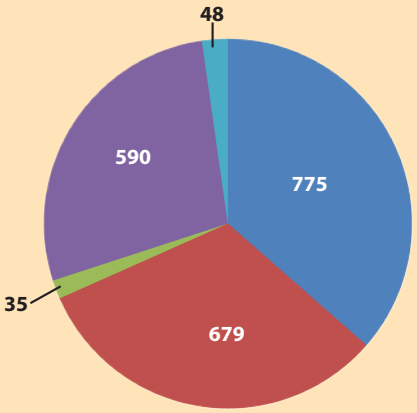

कार्य विस्तार

- कुल जिले
- कार्ययुक्त जिलों की संख्या
- संपर्कित जिलों की संख्या
- कार्ययुक्त जिला केंद्र
- संपर्कित जिला केंद्र

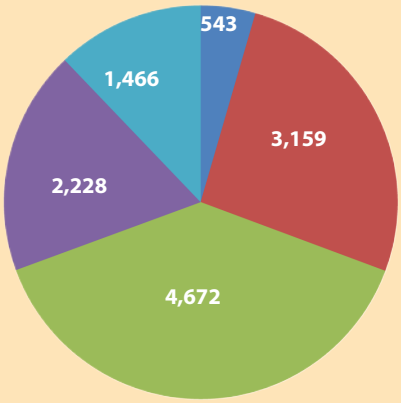

स्तरानुसार विद्यालय

- शिशुवाटिका
- प्राथमिक (3 से 5 तक)
- पूर्व माध्यमिक (6 से 8 तक)
- माध्यमिक (9 एवं 10)
- वरिष्ठ माध्यमिक (11 एवं 12)

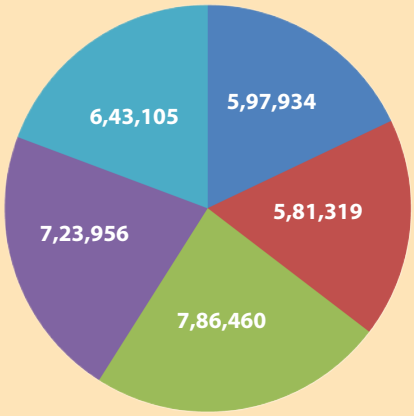

स्तरानुसार छात्र भैया–बहन

- शिशुवाटिका
- आधारभूत स्तर (1 एवं 2)
- प्रारम्भिक स्तर (3 से 5 तक)
- पूर्व माध्यमिक स्तर (6 से 8 तक)
- उच्च व उच्चतर माध्यमिक (9 से 12 तक)

अनौपचारिक इकाइयों व औपचारिक विद्यालयों के छात्रों एवं आचार्यों की संख्या				अन्य जानकारियाँ	
	संख्या	छात्र संख्या	आचार्य संख्या		
सरस्वती शिक्षा केंद्र	4,474	1,19,310	4,498	अन्य मतावलंबी एवं दिव्यांग छात्र संख्या	69,820
संस्कार केंद्र	5,704	1,34,125	5,736	उच्च शिक्षा/तकनीकी संस्थानों की संख्या	59
औपचारिक विद्यालय	12,068	33,32,774	1,52,624	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रतिभागिता	14,97,418
सर्वयोग	22,246	35,76,209	1,62,858	विश्वविद्यालय	2

हम अखिल भारतीय स्तर पर प्रति वर्ष पांच कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। इन कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी एवं उपलब्धियों का वर्णन आपके सम्मुख है, विस्तृत विवरण विषय संयोजक आगामी सत्रों में हमारे सम्मुख प्रस्तुत करेंगे।

1. खेलकूद समारोह

36वाँ अखिल भारतीय खेलकूद समारोह, हासन, कर्नाटक में दिनांक 31 अक्टूबर से 1 नवम्बर 2025 सम्पन्न हुआ। इस समारोह में देशभर से कुल 768 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया।

2. अ.भा. विज्ञान मेला

विज्ञान मेला जीवन में वैज्ञानिक – दृष्टिकोण तथा बदलते वैश्विक परिदृश्य में छात्रों में वैज्ञानिक रुचि बढ़ाने तथा विचारों को साँझा करने का मंच है। राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान मेला दिनांक 13 से 16 नवंबर, 2025 को मेरठ (उत्तर प्रदेश) में सम्पन्न हुआ। सभी क्षेत्रों से आए 303 नन्हें वैज्ञानिक विजेताओं को प्रसिद्ध वैज्ञानिक एवं विज्ञान संचारक डॉ. चन्द्रमोहन नौटियाल ने बच्चों से वार्तालाप करते हुए जीवाष्म विषय के अनेक पहलुओं की जानकारी दी। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्तर क्षेत्र, पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र तथा पूर्व क्षेत्र एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर रहे।

3. अ.भा. गणित मेला

भारतीय ज्ञान परम्परा का समावेश करते हुए गणित विषय के साथ वैदिक गणित का अध्ययन करना हमारी विशेषता है। इस वर्ष अखिल भारतीय गणित मेला 6 से 9 नवंबर, 2025 तक जालंधर (पंजाब) में सम्पन्न हुआ, जिसमें 11 क्षेत्रों से 387 क्षेत्रीय प्रतिभागियों ने गणित प्रदर्श, पत्रवाचन, प्रश्नमंच, गणित वार्ता आदि में उत्साहपूर्वक भाग लिया। गणित विषय के लिए विद्या भारती का यह अनूठा प्रयास बच्चों को आपसी चर्चा, तेज गति से गणना, गणितीय सोच के लिए प्रोत्साहित करता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र प्रथम, उत्तर क्षेत्र द्वितीय एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र व दक्षिण मध्य क्षेत्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

4. अ.भा. संस्कृति महोत्सव

यह महोत्सव भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत जीवन का विश्व को एक परिवार के रूप में दर्शन कराता है। भारतीय जीवन दृष्टि प्रदान करने के लिए अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव–2025 का आयोजन सीतामढ़ी में दिनांक 5 से 7 नवंबर 2025 को सम्पन्न हुआ। महोत्सव में भारतीय संस्कृति से जुड़ी अनेक विधाओं की राष्ट्र स्तरीय प्रतिस्पर्धाएं – तात्कालिक भाषण, कथा–कथन, संस्कृति ज्ञान प्रश्न मंच, मूर्ति कला, लोकनृत्य, संस्कृति वार्ता के माध्यम से भैया–बहनों ने अपनी मेधा एवं प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह संस्कृति महोत्सव देश के 11 क्षेत्रों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 263 भैया–बहिन एवं 111 आचार्य–दीदी के लिए भारतीय संस्कृति के साक्षात् दर्शन एवं उसे आत्मसात करने का माध्यम रहा है। प्रथम स्थान पर उत्तर पूर्व क्षेत्र, द्वितीय–पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

5. टेकथॉन : 2025

बदलते वैश्विक परिवेश में तकनीक एवं संचार को शिक्षा का महत्वपूर्ण आयाम बनाया गया है। प्रत्येक ATL से प्रतियोगिता के माध्यम से चयनित नवाचारियों को टेकथॉन मंच प्रदान किया जा रहा हैं। दिनांक 18 से 21 नवंबर, 2025 को विद्या भारती, उन्नत भारत अभियान, AICTE, नीति आयोग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित चार दिवसीय टेकथॉन 2025 का आईआईटी दिल्ली में सफल आयोजन हुआ। देशभर से चयनित 100 ATL इनोवेटर्स की रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और सामाजिक संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए टेकथॉन आकर्षित

मंच बना है। ग्रैंड एग्ज़िबिशन में AI & Health, Defence Tech, Waste Management, EdTech, 3D Infra आदि मॉडल प्रस्तुत किये गये। IIT Delhi Labs esa Robotics, Sensors, Biomed, Design Labs आदि लाइव डेमो ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया। सामुदायिक सर्वेक्षण द्वारा भैया–बहिनों का भावनात्मक एवं संवेदनात्मक अनुभूति के साथ आत्मविश्वास एवं वार्तालाप का कौशल विकास हुआ।

आयोजनः–

सप्तशक्ति संगम

हमें स्मरण है कि पिछली बैठक में आदरणीय डा. कृष्ण गोपाल जी ने मातृ शक्ति को पञ्च परिवर्तन का आधार बनाने की इच्छा प्रकट की। उनकी यही इच्छा सप्तशक्ति संगम के रूप में हमारे सामने उत्साहवर्धक कार्यक्रम बन गई।

कुटुम्ब प्रबोधन एवं पर्यावरण के विषय मातृशक्ति के माध्यम से परिवारों एवं समाज में जायें, इस हेतु माताओं का माताओं के लिए माताओं द्वारा सप्तशक्ति संगम के भव्य आयोजन हम सभी के लिए परिणामकारी रूप में सम्पन्न हुए। अभियान की योजना के प्रभावी एवं सार्थक परिणाम सामने आये। 05 अक्टूबर, 2025 से 23 जनवरी, 2026 तक आयोजित 26,345 कार्यक्रमों में सभी वर्गों से 30,21,689 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रमों की विशेषता की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण रहा कि 23,424 माता–बहिनों ने विषयों का अध्ययन कर उद्बोधन और विचारों की प्रस्तुति दी। सामाजिक जीवन में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 50,219 महिलाओं का सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि, अध्यक्षता, संचालन और व्यवस्था का उत्तरदायित्व भी महिलाओं ने संभाला, जिससे नारी नेतृत्व, आत्मविश्वास और सामाजिक दायित्वबोध का उदाहरण

सामने आया। भव्य, प्रेरणादायी आयोजन के कारण समाज में सकारात्मक ऊर्जा, आत्मगौरव और जागरूकता के वातावरण के साथ कुटुम्ब की भारतीय अवधारणा एवं आवश्यकता को हम सब ने अनुभव किया। इस उत्साह को निरन्तर बनाए रखने के लिए श्री अयोध्या में 25-26 फरवरी 2026 को समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ जिसमें में आगामी योजना पर विचार हुआ है।

वार्षिक पत्रकार वार्ता

20 जून 2025 को नई दिल्ली स्थित कान्स्टीट्यूशन क्लब आफ इंडिया में वार्षिक राष्ट्रीय प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इसमें विद्या भारती की विशिष्ट गतिविधियों, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं के साथ **'भविष्य दृष्टि पत्र'** के रूप में सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व-बोध, नागरिक कर्तव्य, ये पंच परिवर्तन घोषित किए गए।

क्षेत्रशः पंचपदी प्रशिक्षण

भारतीय ज्ञान परम्परा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार पंचकोष एवं पंचपदी शिक्षण पद्धति के महत्व को ध्यान में रखते हुए 11 क्षेत्रों में विषय विशेषज्ञों के प्रशिक्षण हुए। क्षेत्रों से चयनित विशेषज्ञों को अधिक सशक्त करने के लिए द्वितीय चरण में दो-दो क्षेत्रों का वर्ग आयोजित किये गये। राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन के लिए निम्नलिखित एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए कार्यशाला आयोजित हुई।

चरणः 1

क्षेत्र	प्रतिभागी	क्षेत्र	प्रतिभागी	परिणाम	
दक्षिण	55	पूर्वी उत्तर प्रदेश	59	उन्नत	208
दक्षिण मध्य	60	उत्तर पूर्व	53	औसत	282
पश्चिम	69	पूर्वोत्तर	59	संतोषजनक	109
राजस्थान	63	पूर्व	57	असंतोषजक	39
उत्तर	57	मध्य	71	मूल्यांकन रहित	13
प. उत्तर प्रदेश	48	कुल	651		651

चरणः 2

क्षेत्र	प्रतिभागी संख्या	चयनित
पश्चिम+राजस्थान	8+15=23	7+7=14
दक्षिण	16	15
दक्षिण मध्य	17	16
मध्य	8+3=11	8+3=11
पूर्व+पूर्वोत्तर	13+11=24	11+8=19
उत्तर+पश्चिमी उत्तर प्रदेश	15+16=31	15+14=29
उत्तर पूर्व+पूर्वी उत्तर प्रदेश	15+40=55	6+17=23

क्षेत्रशः शैक्षिक–आध्यात्मिक संगठन संगोष्ठी

देश भर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन एवं भारतीय शिक्षा के मूलभूत विषयों पर अन्य शैक्षिक संस्थाओं के साथ कार्य करने की योजना को व्यावहारिक रूप देने के लिए इस वर्ष अन्य संस्थाओं के साथ क्षेत्रशः बैठकों में व्यावहारिक नीति तय की गई ताकि देश भर में शैक्षिक कार्य को गति प्रदान की जा सके। इन संस्थाओं ने शिक्षा के न्यूनतम साँझा कार्यक्रमों के साथ धर्मान्तरण रोकने जैसे मार्मिक कार्य एवं नशे के विरूद्ध कार्य करने का संकल्प भी किया।

तिथि	स्थान	संख्या	प्रतिभागी	अध्यक्ष
17 अगस्त, 2025	कटक	7	20	स्वामी शुकदेवानन्द जी
24 अगस्त, 2025	जयपुर	20	25	दिव्यस्वामी महाराज
31 अगस्त, 2025	गुवाहाटी	23	52	श्री श्रीजनार्दन देव गोस्वामी
19 सितम्बर, 2025	भोपाल	17	25	
21 सितम्बर, 2025	दिल्ली	20	34	साध्वी डॉ. अमृता दीदी
12 नवम्बर, 2025	हैदराबाद	10	15	स्वामी सर्वेशानन्द जी

अधारभूत विषय

- दिनांक 3 से 4 अप्रैल, 2025 को कुरुक्षेत्र (हरियाणा) में संस्कृत, योग एवं शारीरिक शिक्षा पाठ्यक्रम समीक्षा कार्यशाला सम्पन्न हुई।
- **संगीत** – दिनांक 5, 6 व 7 दिसम्बर, 2025 को उज्जैन (मध्य प्रदेश) में कार्यशाला सम्पन्न हुई। 10 क्षेत्रों से कुल अपेक्षित 59 में से 50 की उपस्थिति रही। गत वर्ष में हुए निर्णय के अनुसार व केन्द्र द्वारा प्रेषित विषय बिन्दुओं के आधार पर क्षेत्रशः वृत्त कथन हुआ।
- **नैतिक एवं आध्यात्मिक** – पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला दिनांक 11 से 15 जुलाई, नवीन पाठ्यक्रम की समीक्षा, कुरुक्षेत्र दिनांक 23 से 25 जुलाई, एवं आचार्य मार्गदर्शिका निर्माण कार्यशाला 8 से 10 नवम्बर, 2025, रायपुर, छत्तीसगढ़ में सम्पन्न हुई। इस कार्यशाला में विषय के केंद्र तय किए गए तथा प्रति माह किए गए क्रियान्वयन एवं मूल्यांकन पर चर्चा एवं समीक्षा हुई।

आयाम

- **विद्वत परिषद** – दिनांक 21–22 मार्च, 2026 को जयपुर में अखिल भारतीय बैठक सम्पन्न हुई जिसमें 11 क्षेत्रों से 56 सहभागिता रही। इसमें संगठनात्मक सरंचना एवं कार्य विभाजन तथा शैक्षणिक उन्नयन आदि विषयों पर चर्चा हुई। जयपुर नगर में शिक्षाविदों की गोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें कुल संख्या 262 रही।

गोष्ठी

- **शोध** – विद्या भारती विद्यालयों की शिक्षा का समाज पर प्रभाव, विद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए क्रियाशोध तथा प्रमाणाधारित और भविष्यदर्शी दृष्टिकोण पर कार्य करने हेतु शोध विभाग की स्वतंत्र स्थापना की गई है। भारतीय शिक्षा शोध संस्थान, लखनऊ में संगोष्ठियाँ, सेमिनार आदि के माध्यम से निरन्तर कार्य चल रहा है। 29–30 नवम्बर, 2025 को भारतीय शिक्षा शोध संस्थान, लखनऊ में शोध विषय की दो दिवसीय अखिल भारतीय बैठक में शोध कार्य की समीक्षा एवं भावी योजना तैयार की गई। बैठक में सभी क्षेत्रों से कुल 42 प्रतिभागी उपस्थित रहे जिन्होंने चार शोध (1. School Management 2. Action Research Area in Schools 3. Student Well-being 4. Teacher Well-being) विषयों पर रिपोर्ट प्रस्तुत की। 24 फरवरी, 2026 को शोध टोली बैठक में शोध प्रकोष्ट केन्द्र, काउसंलर कोर्स, क्रियाशोध के विषय तय करना व राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर की गोष्ठियों पर विचार हुआ।

- **संस्कृति बोध परियोजना** – संस्कृति बोध परियोजना के क्षेत्र व प्रान्त संयोजकों, सह–संयोजकों की अखिल भारतीय कार्यगोष्ठी दिनांक 23 से 25 जून, 2025 को कुरुक्षेत्र (हरियाणा) में सम्पन्न हुई। कार्यगोष्ठी में सम्पूर्ण देश से 74 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस गोष्ठी में अपने विद्या मन्दिरों की सहभागिता, छात्रों की परीक्षा में उपस्थिति, संस्कृति बोध अभियान एवं परियोजना से जुड़े अनेक विषयों पर विचार–मंथन व चिंतन हुआ। इस सत्र में संस्कृति ज्ञान परीक्षा में 10 भारतीय भाषाओं में 23,25,852 प्रतिभागिता रही। दिनांक 26 से 28 जुलाई, 2025 को संस्कृति प्रश्नमंच निर्माण कार्यशाला सम्पन्न हुई।

- **पूर्व छात्र** – समाज, विज्ञान, उद्योग, व्यापार, रक्षा, अंतरिक्ष, पुलिस, प्रशासन आदि क्षेत्रों में कार्यरत 10 लाख 60 हजार 7 सौ, से अधिक पूर्वछात्र एक पोर्टल पर पंजीकृत हैं, जो कि विश्व कीर्तिमान है। दुनिया के 92 से अधिक देशों में रहने वाले ये पूर्वछात्र हिन्दू संस्कृति के राजदूत बन कर देश का गौरव बढ़ा रहे हैं।

  इस वर्ष पूर्व छात्र परिषद की दो-दिवसीय अखिल भारतीय बैठक जगन्नाथपुरी, ओडिशा में संपन्न हुई। इस बैठक में 11 क्षेत्रों के 31 प्रांतों से 67 प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

  पूर्वछात्रों द्वारा सेवा के स्थायी प्रकल्पों में रक्तदान शिविर, विमर्श केन्द्र, कोचिंग केन्द्र, नवभारत सृजन समाचार पत्र एवं पूर्वछात्र संवाद सहित 60 स्थायी सेवा कार्य चल रहे हैं।

वैशिष्टय

- **पर्यावरण** – दिनांक 4 से 6 अक्टूबर 2025 तक तेपला (हरियाणा) में बैठक सम्पन्न हुई जिसमें विभिन्न क्षेत्रों व प्रान्तों से 46 कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया। इस वर्ष 13,756 स्थानों पर 5,73,839 वृक्षारोपण, 456 विद्यालयों में सोलर पैनल, 2,791 विद्यालयों में जल संरक्षण के कार्य सम्पन्न हुए।

- **खेलकूद** – दिनांक 19 से 21 जून, 2025 तक ऋषिकेश (उत्तराखण्ड) में अखिल भारतीय बैठक सम्पन्न हुई जिसमें 34 विधाओं के खेल स्थान तय किये गये। सत्र 2025–26 में विद्या भारती के कुल 08 क्षेत्रों में 26 स्थानों पर 34 खेल विधाओं की राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताएँ, सम्पन्न हुईं, जिसमें कुल 8470 भैया–बहनों ने सहभागिता की। इस सत्र में इन 34 विधाओं में अखिल भारतीय स्तर पर 8770 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

  SGFI खेलकूद प्रतियोगिताओं में विद्या भारती ने 34 खेल विधाओं में कुल 1730 भैया–बहन सम्मिलित हुए। खिलाडियों ने 10 गोल्ड, 07 सिल्वर एवं 38 ब्रान्ज कुल 55 मेडल अर्जित करके कीर्तिमान स्थापित किया। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर – World School Volleyball Championship-China में कांस्य पदक अर्जित किया।

- **प्रचार** – रांची में 4–5 फरवरी, 2026 को प्रचार के कार्य की योजना हेतु देश भर से 59 प्रमुखों की उपस्थिति रही। पत्र–पत्रिकाओं के माध्यम से हिंदुत्व और राष्ट्रीयता के विचार को बढ़ावा देने के लिए 15 प्रांतों में मासिक/द्विमासिक/त्रैमासिक व 16 प्रान्तों में वार्षिक पत्रिकाएँ मुद्रित होती हैं। 15 प्रांतों में 22 ई–पत्रिकाएं तथा 2 क्षेत्रों में भी वार्षिक पत्रिका प्रकाशित करते हैं। केन्द्रीय कार्यालय एवं 17 प्रान्तों में संवाद केन्द्र स्थापित हैं।

- **अभिलेखागार** – रांची में ही 4–5 फरवरी, 2026 को अभिलेखागार के कार्य की योजना हेतु देश भर से 53 अभिलेखागार प्रमुखों ने भाग लिया। विद्या भारती विकास यात्रा, कॉफी टेबलबुक केन्द्र स्तर पर तथा पांच प्रान्तों की तैयार हो गई है तथा शेष प्रान्तों की बनाने की प्रक्रिया चल रही है। कार्यालयों के रिकॉर्ड डिजिटल करना तथा प्रशासनिक, शैक्षिक कार्यक्रम, महत्वपूर्ण पत्राचार आदि अभिलेख तैयार करने की योजना बनी।

शैक्षिक एवं पद्धत्तियाँ –

- **शिशुवाटिका** – जयपुर में अखिल भारतीय बैठक 16–17 सितम्बर, 2025 को आयोजित हुई जिसमें स्वतंत्र शिशुवाटिकाएँ, प्रशिक्षण वर्गों, स्वर्ण प्राशन, शिशु नगरी पर विचार हुआ। 16 से 20 फरवरी, 2026 को गांधीधाम की बैठक में प्रवास, मातृभाषा में शिक्षा, नमूनारूप शिशुवाटिका तथा प्रशिक्षण मार्गदर्शिका पर विचार किया गया।

- **स्तरानुसार शैक्षिक परिषदें** – दिनांक 30 अगस्त से 1 सितम्बर, 2025 को स्तरानुसार शैक्षिक परिषद के तीनों स्तरों की संयुक्त अखिल भारतीय कार्यशाला जबलपुर (मध्य प्रदेश) में सम्पन्न हुई। इस कार्यशाला में क्षेत्रानुसार कार्यशालाओं का निर्णय हुआ तथा प्रत्येक प्रान्त में 31 मार्च से पूर्व परिषदों के गठन की योजना बनी। विद्यालयों में शिक्षा को और अधिक सृजनात्मक, व्यावहारिक तथा मूल्यनिष्ठ बनाने के लिए निम्नलिखित क्षेत्रीय बैठकों में प्रान्तों की परिषदों के गठन हुए।

क्षेत्र	स्थान	प्रतिभागी संख्या	तिथि
पूर्वी उत्तर प्रदेश	बलिया	64	11 से 13 अक्टूबर, 2025
पूर्व क्षेत्र	हुगली	30	24 से 26 अक्टूबर, 2025
उत्तर पूर्व क्षेत्र	पटना	32	24 से 26 नवम्बर, 2026
मध्य क्षेत्र	उज्जैन	26	27 से 30 नवम्बर, 2025
प. उत्तर प्रदेश	गाजियाबाद	38	12 से 14 दिसम्बर, 2025
पूर्वोत्तर क्षेत्र	गुवाहाटी	40	3–4 जनवरी, 2026
राजस्थान क्षेत्र	जयपुर	34	10 से 12 जनवरी, 2026
उत्तर क्षेत्र	जालन्धर	66	17 से 19 जनवरी 2026
दक्षिण मध्य क्षेत्र	भाग्यनगर	26	7–8 मार्च, 2026

- **सैनिक विद्यालय** – प्रत्येक भैया–बहिन को आत्मरक्षा एवं राष्ट्र सुरक्षा की जानकारी प्रदान करने के लिए विद्यालयों में सैनिक शिक्षा के प्रावधान की योजना प्रारंभ से ही रही है। भारत सरकार के रक्षा मन्त्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त 14 सैनिक स्कूल चलाए जा रहे हैं तथा ग्यारह अन्य विद्यालयों को शुरू करने की प्रक्रिया चल रही है। इन विद्यालयों के परिणाम लक्ष्य अनुरूप प्राप्त करने के लिए योजना आगामी सत्र के लिए तैयार की जाएगी।

- **आवासीय विद्यालय** – 257 आवासीय एवं अर्द्ध आवासीय विद्यालय, जनजाति सेवा क्षेत्र सहित देश के भिन्न-भिन्न प्रान्तों में संचालित है। इन विद्यालयों के परिणाम आधुनिक गुरुकुल के रूप में सामने आए, इसके लिए निरन्तर प्रयासरत हैं। 19 अक्टूबर, 2024 को भोपाल में आवासीय विद्यालयों पर विचारार्थ एक बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें आवासीय विद्यालय मानक संचालन प्रक्रिया हेतु पुस्तिका के लेखन पर विचार हुआ जो कि यहां उपलब्ध है।

गुणवत्ता विकास

- **प्रशिक्षण** – दिनांक 20-21 अगस्त, 2025 को प्रशिक्षण विभाग की बैठक गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) में सम्पन्न हुई। बैठक में देशभर में चले प्रशिक्षण वर्गों का वृत्त प्रस्तुत किया गया तथा आगामी प्रशिक्षण वर्गों के पाठ्यक्रम निर्माण पर चर्चा की गई एवं प्रशिक्षण निर्देशिका के पुनर्लेखन की योजना बनी।

- **मानक परिषद** – 30-31 अगस्त, 2025 को अखिल भारतीय कार्यशाला, भोपाल (मध्य प्रदेश) में सम्पन्न हुई। कार्यशाला में क्षेत्र एवं प्रान्त संयोजक सहित कुल 33 प्रतिभागियों ने भाग लिया। मूल्यांकन एवं असेसमेंट के नये मॉड्यूल SESQ 2.0 के माध्यम से स्कूल असेसमेंट, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और विद्यार्थियों के मूल्यांकन की नई पद्धति पर चर्चा की गई।

- **अटल टिंकरिंग लैब** – दिनांक 7 एवं 11 अप्रैल, 2025 को ऑनलाइन बैठकों में देश भर के ए.टी.एल. आचार्य, प्रांत एवं क्षेत्र के संयोजक जुड़े, जिनमें सामुदायिक सप्ताह मनाने की चर्चा हुई। ए.टी.एल. की सक्रियता पर विचार करने के लिए प्रान्त संयोजकों के साथ दो ऑनलाइन बैठकें भी आयोजित की गई।

- **घोष वर्ग** – प्रत्येक विद्यालय में घोष दल तैयार हो इस दृष्टि से दिनांक 3–6 जुलाई, 2025 को अखिल भारतीय घोष वर्ग, समालखा (हरियाणा) में सम्पन्न हुआ। वर्ग में 6 क्षेत्रों से 132 घोष आचार्यों ने प्रतिभागिता की तथा 5 क्षेत्रों का घोष वर्ग दिनांक 1 से 4 अगस्त 2025 को गुडिलोवा (आन्ध्र प्रदेश) में सम्पन्न हुआ जिसमें 61 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

विशेष क्षेत्र की शिक्षा

- **सेवा, जनजाति एवं सीमा क्षेत्र की शिक्षा** – अखिल भारतीय बैठक दिनांक 13–14 दिसम्बर, 2025 को बांसवाड़ा (राजस्थान) में सम्पन्न हुई। इसमें 11 क्षेत्रों से 29 कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में संवेदनशील क्षेत्रों में और अधिक कार्य की आवश्यकता की पूर्ति के लिए लक्ष्य निर्धारित हुआ। 5767 निःशुल्क सरस्वती संस्कार केंद्र, स्वास्थ्य केन्द्र 37, सामाजिक कार्य 42, स्वावलम्बन केन्द्र 61, कुल 5907 सेवा कार्य संचालित है। स्वच्छ सागर–सुरक्षित सागर अभियान के अन्तर्गत समद्र तटों से 68 क्विंटल कचरा साफ किया गया।

विविध विषय

- **कौशल विकास** – हमें जानकारी है कि विद्या भारती को एन.सी.वी.ई.टी. ने कौशल विकास के पोर्टल पर पंजीकरण एवं आंकलन हेतु स्वीकृति दे रखी है। जिसमें स्वीकृत कोर्स 6 हैं, प्रस्तावित कोर्स 12 हैं, शिक्षकों के कुल 6 बैच निकल चुके हैं, प्रमाणिक प्रशिक्षक 105 एवं छात्रों के 4 बैच वर्तमान में चल रहे हैं।

- **आर्थिक** – वित्तीय एवं वैधानिक अनुपालन रिपोर्ट इस वर्ष केंद्र के वित्तीय प्रबंधन पारदर्शिता और वैधानिक अनुपालनों की दिशा में कई महत्वपूर्ण कार्य संपन्न हुए हैं। 12A, 80G पंजीकरण का नवीनीकरण महत्वपूर्ण विषय पर केंद्र द्वारा विभिन्न समितियों के साथ विस्तृत चर्चा की गई और सभी आवश्यक दस्तावेजी व तकनीकी समाधान सुनिश्चित किए गए।

- **परीक्षा परिणाम** – पंजाब राज्य शिक्षा बोर्ड 12वीं कक्षा में प्रान्त में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा विद्या भारती विद्यालय की है। पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, झारखण्ड, ओडिशा, असम प्रान्त के राज्य शिक्षा बोर्ड में प्रथम तीन क्रमांक पर छात्रों के स्थान रहे। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, प. बंगाल एवं उत्तराखण्ड में भी प्रथम 10 क्रमांक में छात्रों ने स्थान प्राप्त किए।

- **प्रकाशन** – प्रान्तीय एवं क्षेत्रीय प्रकाशकों की अखिल भारतीय बैठक 21–22 फरवरी, 2026 को भोपाल में हुई। देशभर से 24 प्रकाशनों के प्रमुख, प्रबन्धक सहित 51 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। बैठक में गुणवत्तायुक्त प्रकाशन, समयबद्धता की योजना, पारदर्शिता, युगानुकूल डिजिटल लर्निंग तथा आर्थिक नियमों पर विचार हुआ।

- **पत्रिकाएँ** – मासिक बाल पत्रिका "देवपुत्र" का संघ शताब्दी वर्ष में विशेष संघ परिचय अंक की पौने दो लाख प्रतियों का प्रकाशन हुआ। त्रैमासिक विद्या भारती प्रदीपिका पत्रिका में विद्वानों द्वारा शिक्षा सम्बन्धित लेख, आचार्यों, प्रधानाचार्यों, प्रबन्ध समितियों के लिए अति उपयोगी सिद्ध हो रही है। इस पत्रिका की 2000 प्रतियाँ प्रकाशित होती हैं इस सत्र में अधिकतर विद्यालयों में पहुंचे, ऐसी अपेक्षा है। अर्धवार्षिक शोध पत्रिका की 500 प्रतियाँ लखनऊ से प्रकाशित हो रही है।

अखिल भारतीय बैठकें

केन्द्रीय टोली, मंत्री, संगठनमंत्री बैठक, कुरुक्षेत्र

दिनांक 28 से 30 जून, 2025 को कुरुक्षेत्र में सम्पन्न हुई। साधारण सभा के विषयों का क्रियान्वयन, विद्यालयों में छात्र प्रवेश, संख्या में वृद्धि, चिंतन बैठक के बिन्दुओं का क्रमबद्ध क्रियान्वयन, जिला केन्द्र सशक्तिकरण, पूर्णकालिक वर्ग भोपाल का अनुवर्तन, समर्पण तथा संघ शताब्दी वर्ष में कार्यकर्ताओं की सक्रियता, योजनाबद्ध एवं परिणामकारी प्रवास आदि अनेकों विषयों पर विचार हुआ।

कार्यकारिणी बैठक, आबू पर्वत

दिनांक 12 से 14 सितम्बर, 2025 तक आबू पर्वत (राजस्थान) में कार्यकारिणी समिति बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें रा.स्व.सं. के माननीय सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल जी एवं पूज्य स्वामी 1008 स्वयं प्रकाशगिरी जी महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ। प्रतिवेदन, संख्यात्मक जानकारी, कार्य विस्तार एवं कार्य दृढ़ीकरण की समीक्षा के साथ अखिल भारतीय विषयों की वृत्त प्रस्तुति, नवाचार एवं क्षेत्र-प्रान्त में सम्पन्न विशिष्ट प्रयोगों की पी.पी.टी., वीडियो दर्शन के माध्यम से प्रस्तुतिकरण किया गया।

संगठनमंत्री, संगठक वर्ग, केरल

डॉ. कृष्ण गोपाल जी, सह सरकार्यवाह एवं श्री स्वांत रंजन जी, अ.भा. प्रचारक प्रमुख, राष्ट्रीय सेवक संघ के मार्गदर्शन में विद्या भारती के संगठन मंत्रियों एवं संगठकों का दिनांक 22 से 25 दिसम्बर, 2025 को चार दिवसीय वर्ग, पारशाला, त्रिवेन्द्रम (केरल) में सम्पन्न हुआ। कुल 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

केन्द्रीय टोली, मंत्री, संगठनमंत्री बैठक, दिल्ली

केन्द्रीय टोली, मंत्री, संगठनमंत्री बैठक दिनांक 23 जनवरी, 2026 को नेहरू नगर (नई दिल्ली) में सम्पन्न हुई। इस बैठक में आर्थिक स्वावलंबन हेतु कौशल विकास, नशामुक्ति विषय को कुटुम्ब प्रबोधन में जोड़ना, सामाजिक परिवर्तन में मातृशक्ति की भूमिका तय करना, प्रान्तीय, क्षेत्रीय कार्यालयों को आधुनिक, व्यवस्थित तथा उनमें कार्य संस्कृति विकसित करना, पंचपरिवर्तन के क्रियान्वयन एवं आकलन बिन्दु तय करना, शैक्षिक पूर्णकालिक प्रान्त एवं क्षेत्र स्तर पर नियुक्त करना इत्यादि विषयों पर विचार हुआ।

जहां भय था, वहां विद्या का प्रकाश

भयमुक्त भविष्य की ओर – विद्या भारती शिक्षा का साहसी अभियान

झारखंड के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में वर्तमान 122 विद्यालयों में 70 एकल विद्यालय हैं। इसमें 10 विद्यालय, 60 एकल विद्यालयों की वृद्धि योजना, दूरदृष्टि, साहस और सेवा का शिक्षा यज्ञ है।

अल्प समय – व्यापक कार्य

पूर्वोत्तर क्षेत्र की आठों समितियों द्वारा संचालित 648 विद्यालयों की गुणवत्ता, आचार्यों की दक्षता, प्रशासनिक दक्षता तथा मूल्य आधारित शिक्षा के अवलोकन के उद्देश्य से तीन दिवसीय क्षेत्रीय **'उत्कर्ष महोत्सव'** दिनांक 4 से 6 फरवरी 2025 तक संपन्न हुआ। प्रत्येक विद्यालय के मूल्यांकन के लिए पांच सदस्य टोली बनाई गई। कुल 3,240 आकलन समिति के सदस्यों ने भाग लेकर एक रिपोर्ट तैयार की।

अ.भा. अधिकारी प्रभार

क्र.	विषय	अ.भा. प्रभारी का नाम व केन्द्र
1	शारीरिक शिक्षा	श्री गोविन्द कुमार जी, जयपुर
2	योग	श्री शिव प्रसाद जी, जयपुर
3	संगीत शिक्षा	श्री डोमेश्वर जी, मेरठ
		श्री राम मनोहर जी, लखनऊ
4	संस्कृत शिक्षा	श्री हजारी लाल बैरवा
5	नैतिक एवं आध्या. शिक्षा	डॉ. मधुश्री सावजी, सम्भाजीनगर
6	विद्वत परिषद	श्री अवनीश जी भटनागर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश
		डॉ. पवन तिवारी, असम
7	शोध	श्रीमती डॉ. नन्दिनी लक्ष्मीकान्त, बेंगलूरु
		डॉ. राजश्री वैद्य, मध्यभारत
8	संस्कृति बोध परियोजना	श्री गोविन्द चन्द्र महन्त, दिल्ली
		डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी, दिल्ली
		श्रीमती साधना भण्डारी, सूरत
9	पूर्व छात्र परिषद	श्री विजय नड्डा, कुरुक्षेत्र
		श्री रविन्द्र चमड़िया, कोलकाता
10	शिशुवाटिका	श्री गोविन्द चन्द्र महन्त, दिल्ली
		श्रीमती गायत्री वाहिनीपति, ओडिशा
11	बालिका शिक्षा	श्री अवनीश जी भटनागर, दिल्ली
		डॉ. मधुश्री सावजी, सम्भाजीनगर
		सुश्री रेखा चुडासमा, जबलपुर
		सुश्री पवित्रा दहाल, गंगटोक, सिक्किम
12	Preparatory - Middle, वैदिक गणित	श्री श्रीराम आरावकर, रायपुर
13	माध्यमिक (Secondary), आवासीय, सैनिक विद्यालय व अभिलेखागार	श्री देशराज शर्मा, दिल्ली
14	प्रशिक्षण	श्री डी. रामकृष्ण राव जी, गुडिलोवा
		श्री ए. लक्ष्मणराव, भाग्यनगर
15	मानक परिषद	श्री गोविन्द चन्द्र महन्त, दिल्ली
16	अटल टिंकरिंग लैब	डॉ. कमल किशोर सिन्हा, मुंगेर
		डॉ. आनन्द राव जी, भुवनेश्वर
17	जनजातीय क्षेत्र की शिक्षा	श्री यतीन्द्र शर्मा, लखनऊ
		श्री ब्रह्माजी राव, राँची
		श्रीमती बावली चौधरी, गुवाहाटी

क्र.	विषय	अ.भा. प्रभारी का नाम व केन्द्र
18	सेवा क्षेत्र की शिक्षा एवं सीमा क्षेत्र की शिक्षा	श्री शिव प्रसाद जी, जयपुर
		श्री राजेन्द्र प्रसाद खेतान, दिल्ली
19	विज्ञान	डॉ. रविन्द्र कान्हेरे, भोपाल
		श्री कमल किशोर सिन्हा, जमालपुर
20	कौशल विकास	श्री जैनपाल जैन, साहिबाबाद
		श्री ख्याली राम जी, बिहार
21	पर्यावरण	श्री बालकिशन जी, कुरुक्षेत्र
22	खेलकूद परिषद	श्री हेमचन्द्र जी, लखनऊ
		श्री अखिलेश मिश्र, भोपाल
23	प्रचार विभाग	श्री एल. सुधाकर रेड्डी, भाग्यनगर
		श्री सौरभ मालवीय, लखनऊ
24	सूचना एवं संप्रेषण	डॉ. रविन्द्र कान्हेरे, भोपाल
		श्री रविन्द्र चमडिया, कोलकाता
		श्री गोविन्द चन्द्र महन्त, दिल्ली
25	आर्थिक	श्री रोहित वासवानी, दिल्ली
26	स्वदेशी	डॉ. ज्वाला प्रसाद, दिल्ली

केन्द्रीय अधिकारी प्रवास योजना

क्र.	प्रान्त	कार्यकर्ता
1	दक्षिण बिहार, नागालैण्ड, विदर्भ	डॉ. रविन्द्र कान्हेरे जी
2	उत्तर असम, दक्षिण असम, त्रिपुरा, मणिपुर, मिजोरम, अरुणाचल	श्री रामकृष्ण राव जी
3	उत्तर बंग, सिक्किम, मेघालय	मा. शंकर राय मा. गोविन्द चन्द्र महंत
4	उत्तर बिहार, गुजरात	मा. अवनीश भटनागर
5	मालवा और मध्य भारत	मा. देशराज शर्मा
6	कोंकण, गोवा, अण्डमान, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली	मा. गोविन्द चन्द्र महंत मा. देशराज शर्मा
7	जयपुर, जोधपुर, ब्रज, मेरठ, कर्नाटक	मा. यतीन्द्र शर्मा
8	गोरक्ष, अवध, कानपुर, उत्तराखंड, काशी, महाराष्ट्र, देवगिरि, आन्ध्र प्रदेश	मा. श्रीराम आरावकर
9	दक्षिण बंग और उड़ीसा	डॉ. कमल किशोर सिन्हा
10	तेलंगाना, चित्तौड़	मा. शिव प्रसाद
11	महाकौशल, झारखंड और छत्तीसगढ़	मा. ब्रह्माजी राव

- **विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान** – विद्या भारती संलग्न संस्थानों की अखिल भारतीय कार्यशाला दिनांक 05–06, अगस्त 2025 को राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (NITTTR), चंडीगढ़ में आयोजित की गयी। कार्यशाला में 15 राज्यों से 59 संस्थानों के 128 प्रतिभागी सम्मिलित हुए थे। कार्यशाला में हुई चर्चा से और विचार–विमर्श के आधार पर विद्या भारती से संलग्न संस्थानों के लिए विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के साथ कार्य करने हेतु शिक्षा में गुणवत्ता, शोध संस्कृति का निर्माण और संवर्धन, सभी हितधारकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, कैंपस विकास, सामुदायिक सहभागिता और Out Reach कार्यक्रम इत्यादि हेतु योग्य एजेंडा तैयार किया गया है।

  "मा. लज्जाराम तोमर जी का शिक्षा जगत में योगदान" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 29–30 अगस्त 2025 को राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ में किया गया। संगोष्ठी में कुल 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया । कुल 62 शोध पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 35 का प्रस्तुतीकरण ऑफलाइन तथा 15 का ऑनलाइन माध्यम से किया गया।

  राष्ट्रीय संस्थागत नेतृत्व समागम का आयोजन 16–17 फरवरी 2026 को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, राजस्थान कॉलेज शिक्षा विभाग तथा राजस्थान विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया। इसका उद्देश्य भारतीय उच्च शिक्षा को राष्ट्रीय मूल्यों, आधुनिक तकनीक और वैश्विक आवश्यकताओं के साथ संपन्न करना है। समागम में कुल 1516 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें 872 व्यक्तिगत और 644 संस्थागत प्रतिभागी शामिल थे। 1174 राजस्थान से तथा 342 अन्य राज्यों से आए, साथ ही 92 विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित रहे।

प्रमुख गतिविधियाँ

- **ज्ञान, अनुशासन और समर्पण का संगम** – दिनांक 25 से 27 मई, 2025 को हरियाणा प्रान्त आचार्य सम्मेलन, समालखा (पानीपत) में सम्पन्न हुआ। आचार्य सम्मेलन में मातृभारती गोष्ठी–350, सम्पर्कित विद्यालय गोष्ठी–30, कुलपति गोष्ठी–25, पूर्वछात्र गोष्ठी–200, पूर्व आचार्य गोष्ठी–50, जिला समिति सदस्य–65, स्टेट अवार्डी शिक्षक–50 इत्यादि विभिन्न स्तरों पर गोष्ठियाँ में संख्या रही और पूरे प्रांत से 1200 आचार्य प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

- **आधुनिक तकनीक से सशक्त विद्यालय : नई दिशा नई दृष्टि** – केन्द्र के साथ क्षेत्र, प्रान्त, जिला एवं विद्यालयों की नेटवर्किंग, स्मार्ट विद्यालय, शैक्षिक दूरदर्शन आदि पर विचार करने के लिए रिलाइंस कम्पनी से विचार–विमर्श के लिए दो दिवसीय बैठक जियो स्मार्ट पार्क, मुम्बई में आयोजित हुई। विद्या भारती के राष्ट्रव्यापी शैक्षिक विस्तार को और अधिक सशक्त एवं आधुनिक बनाने की दिशा में मुंबई में दिनांक 17–18 मार्च 2026 को jio Reliance के साथ हुई सार्थक चर्चा में शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी उन्नयन को लेकर विचार–विमर्श किया गया। देशभर के सभी विद्या भारती विद्यालयों में सुदृढ़ एवं निर्बाध इंटरनेट कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना। सभी विद्यालयों में एकीकृत ERP सिस्टम लागू करके शैक्षणिक एवं प्रशासनिक डेटा सीधे दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय से जोड़ना। प्रत्येक विद्यालय को "स्मार्ट स्कूल" के रूप में विकसित करना। विद्या भारती का अपना 24 x 7 शैक्षणिक टीवी चैनल प्रारंभ करना जिसके माध्यम से देशभर में निरंतर ज्ञानवर्धक एवं संस्कारयुक्त शिक्षा का प्रसार हो। यह पहल शिक्षा के डिजिटलीकरण को गति देगी। भारत के भावी नागरिकों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

- **मोबाइल विज्ञान प्रयोगशाला** – पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया द्वारा विद्याधाम में **"मोबाइल विज्ञान रथ"** को हरी झण्डी दी गई। विशेष रूप से अभिकल्पित एवं सुसज्जित वैन द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय सीमाक्षेत्र एवं ग्रामीण विद्यालयों में व्यावहारिक प्रयोशालाओं के रूप में विकसित किए गए मोबाइल विज्ञान रथ में विज्ञान प्रयोग करवाये जायेंगे।

- **जोधपुर का डिफेंस एवं स्पार्टस एकॉडेमी** – हनवंत आदर्श विद्या मन्दिर, लाल सागर (राजस्थान) में आर.के. दम्मानी राष्ट्रीय पुनुरुत्थान और शिक्षा केन्द्र में आदर्श डिफेंस एवं स्पोर्ट्स एकेडमी का भारत सरकार के रक्षामंत्री मा. राजनाथ सिंह जी ने उद्घाटन किया। इसमें 400 विद्यार्थियों का छात्रावास तथा रक्षा व खेल क्षेत्र में विशेष प्रशिक्षण दिया जायेगा।

- **शौर्य पुरस्कार** – सरस्वती विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज, झांसी रोड, उरई, उत्तर प्रदेश के पूर्वछात्र आदर्श गुप्ता एयरफोर्स में विंग कमाण्डर के पद पर श्रीनगर में तैनात हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान असाधारण बहादुरी के लिए विंग कमाण्डर आदर्श गुप्ता को **''शौर्य पुरस्कार''** से सम्मानित किया गया।

संस्कार, समर्पण एवं सफलता – विद्यार्थियों की प्रेरक उड़ान

- **प्रशासनिक सेवा में उत्तीर्ण** – अभी तक प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्या भारती के 22 विद्यार्थी प्रशासनिक सेवा में उत्तीर्ण हुए हैं।

01.
Simrandeep Kaur
Dayanand Public School, Pandusar, Nabha, Punjab

02.
Monika Srivastava
Saraswati Shishu Mandir, Aurangabad, Bihar

03.
Ishita Sharma
Saraswati Shishu Mandir, Raptinagar, Gorakhpur, UP

04.
Rupal Jaiswal
Saraswati Shishu Mandir, Kalyaganj, Khandwa, MP

05.
Anuj Pant
Saraswati Vidya Mandir, Rajnagar, Ghaziabad, UP

06.
Pankaj Soni
Adarsh Vidya Mandir, Jaitaran, Pali, Rajasthan

07.
Pawan Kumar Pandey
Saraswati Shishu Mandir, Pakkibagh Gorakhpur, UP

08.
Ravi Shekhar Singh
Saraswati Shishu Mandir, Maldepur, Ballia, UP

09.
Pranjal Rai
Saraswati Vidya Mandir, Makrand Nagar, Kannauj, UP

10.
Ishita Sharma
Gita Vidya Mandir, Gohana, Sonipat, Haryana

11.
Sai Raman Patra
Saraswati Shishu Vidya Mandir, Ranapur, Odisa

12.
Anil Mishra
Saraswati Vidya Mandir, Deoria Khas, Deoria, UP

13.
Vivek Yadav
Saraswati Shishu Mandir, Chanderi, Ashok Nagar, Madhya Pradesh

14.
Diamond Singh Dhruw
Saraswati Shishu Mandir, Magarlod, Dhamtari, Chhattisgarh

15.
Ranjana Singh Sengar
Saraswati Vidya Mandir, Khaga, Fatehpur, UP

16.
Dr. Suraj Patel
Saraswati Shishu Mandir, Tetri Bajar, Siddharth Nagar, UP

17.
Deepika Pandey
Saraswati Shishu Vidya Mandir, Suyalwari, Nainital, Uttrakhand

18.
Dr. Kavya Krishnan
Sree Saraswathy Bidyalayam, Thiruvananthapuram, Kerala

19.
Ankush Patidar
Saraswati Shishu Mandir, Shyamgarh, Mandsaur, MP

20.
Ankit Sakni
Saraswati Shishu Mandir, Bhairamgarh, Bijapur, Chhattisgarh

21.
Abhishek Yadav
Saraswati Vidya Mandir, VIP Road, Fatehpur, UP

22.
Vikas Meena
Aadarsh Vidya Mandir, Gari, Sawai ram, Alwar, Rajasthan

- **पुस्तकों का प्रकाशन** – संस्कृति बोध परियोजना के अन्तर्गत 12 नवीन पुस्तकों (1. हमारे प्रकाश–स्तंभ मंत्र–द्रष्टा, 2. एकात्मता के पुजारी विज्ञानाचार्य, 3. हमारे प्रकाश–स्तंभ बालवीर, 4. The women Scientist of the Indian Space Research Organisation, 5. ज्ञान की बात–4, 6. चिंतन बैठक कार्यवृत्त (बिलासपुर, छत्तीसगढ़), 7. पंच परिवर्तन, 8. हमारे कार्य की दिशा (पूर्णकालीन कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग), 9. कामरूप के संत साहित्यकार, 10. क्षण–क्षण शिक्षण, 11. छोटे–छोटे श्रवण कुमार, 12. आवासीय विद्यालय) का मुद्रण हुआ।

- **जनजाति क्षेत्र में मिला बहनों को छात्रावास** – विलुप्त जनजातीय समुदाय की संस्कृति, अस्तित्व के रक्षण एवं संवर्धन के लिए जनजातीय बहनों हेतु एक छात्रवास का लोकार्पण दिनांक 22 जून 2025 को राइडीह (झारखंड) में संपन्न हुआ।

- **ए.आई. टीचर** – सर्वहितकारी विद्या मन्दिर, मलेरकोटला (पंजाब) में शिक्षा क्षेत्र में तकनीकी नवाचार ए.आई. टीचर का शुभारंभ हुआ। ए.आई. टीचर हमारे ज्ञान की नई दिशा है जो बच्चों की अलग-अलग शिक्षा की जरूरतों को समझकर, व्यक्तिगत कठिनाइयों को पहचानकर उनके अनुसार सीखने में मदद करेगा।

- कानपुर विद्यालय के छात्र युवराज गुप्त ने हैकरों द्वारा बनाए गए बग की खोज करके नासा की बेवसाईट को बचाया। इस अद्वितीय उपलब्धि पर उन्हें नासा द्वारा प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया गया।

- **सिक्किम – "विद्या भारती सिक्किम प्रान्त का रजत जयंती वर्ष समारोहः 2026"** दिनांक 27 मार्च, 2026 को सम्पन्न हुआ। आयोजन के अवसर पर दार्जिलिंग एवं कालिम्पोंग जिलों के अंतर्गत संचालित विद्या भारती के सभी विद्यालयों एवं सरस्वती संस्कार केंद्रों के विद्यार्थी, प्रधानाचार्य, आचार्य-आचार्याएँ, अभिभावक, विद्यालय संचालन समिति के पदाधिकारी, संस्थापक सदस्य, वरिष्ठ नागरिक, मातृशक्ति, पूर्व सैनिक तथा विभिन्न शैक्षिक-सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों सहित कुल 450 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

- **दुर्गम, कठिन जीवन क्षेत्र और सीमित साधन भी संकल्प को हरा नहीं सकते** – अत्यधिक ठंड, ऊंचे पर्वत, समुद्री तट, सीमित संसाधनों और अंतर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्र की बिकट परिस्थितियों में भी उत्साह, आनंद से कार्यकर्ताओं द्वारा शिक्षा के दीपक सर्वत्र देश में जलाए जा रहे हैं। ऐसे ही दुर्गम क्षेत्र 11500 फीट की ऊंचाई वाले लेह लद्दाख में जहां -20 से -30 सेंटीग्रेट तापमान रहता है 100 बच्चों के लिए आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण छात्रावास भवन का शिलान्यास दिनांक 27 मई 2025 को किया गया।

- **अवध प्रांत** – सीमा क्षेत्र की शिक्षा को मजबूती प्रदान करने के लिए नेपाल की सीमा पर स्थित चंदन चौकी में 200 बच्चों के लिए छात्रावास का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ।

- **ओडिशा प्रांत में सफल अभिभावक सम्पर्क** – प्रकार–1. आचार्य वर्ष में 2 बार छात्रों के घरों में संपर्क करते हैं। प्रकार–2. अभिभावक बैठकें मातृ–पितृ सम्मेलन, दादा–दादी सम्मेलन एवं श्रेणीशः बैठकों, व्हाटसप ग्रुप में संदेश के माध्यम से आयोजन किया जाता है। इस वर्ष 3,78,752 छात्रों के घरों में संपर्क का कार्य पूर्ण हुआ और वर्ष 2026–27 में 4,31,000 छात्रों के घरों में संपर्क करने की योजना बनी।

उपस्थित सभी सम्मानीय श्रेष्ठ एवं वरिष्ठ सदस्यगण इस साधारण सभा में जब हम वर्ष भर के कार्यक्रमों, मुख्य उपलब्धियों और विविध प्रांतों के प्रेरणादायी कार्यक्रमों का अवलोकन करते हैं, तो मन गर्व और उत्साह से भर उठता है। यह मात्र आंकड़ों और विवरणों का संकलन नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण के संकल्प से जुड़ी हमारी सामूहिक साधना का प्रतिबिंब है। शिक्षा की गुणवत्ता को निरंतर उन्नत करने का जो प्रयास सभी कार्यकर्ताओं ने अपने–अपने क्षेत्रों में किया है, वही विद्या भारती की वास्तविक शक्ति है। प्रत्येक आचार्य, प्रत्येक कार्यकर्ता और प्रत्येक सहभागी इस यज्ञ का यजमान है। आप सभी के समर्पण, नवाचार और परिश्रम को विनम्र नमन करता हूँ। आप ही इस परिवर्तन यात्रा के सच्चे वाहक हैं और आपकी तपस्या से ही संस्कारित, सक्षम और सशक्त भारत का स्वरूप साकार हो रहा है।

आइए, इस प्रेरक क्षण में हम पुनः एक सामूहिक संकल्प के साथ आगे बढ़ें। सभी जिलों में अमृत महोत्सव तक अपना कार्य हो जहां सभी जिलों में कार्य है वहां खण्ड तक कार्य की योजना हो। युग अनुकूल कार्ययोजना करके हम अपने लक्ष्य का प्रतिक्षण स्मरण रखते हुए कार्य को गुणवत्तापूर्वक बनाते हुए योजनाबद्ध रूप में आगे बढाएंगे, इसी संकल्प के साथ आओ मिलकर गुनगुनाएं –

दीप से दीप जलाएँ हम, ज्ञान की ज्योति प्रखर करें,
संस्कारों की सरिता बहा, मानवता का सृजन करें।
गुणवत्ता की राह पकड़, शिक्षा को उत्कर्ष दें,
राष्ट्र धर्म के पथ पर चल, भारत को नव उत्कर्ष दें।

पूर्ण विश्वास और ऊर्जा के साथ, आप सभी के सराहनीय योगदान को नमन करते हुए अपनी बात को समाप्त करने की आज्ञा चाहता हूँ। धन्यवाद!

देशराज शर्मा
महामंत्री

दिनांकः 3 अप्रैल, 2026, कृष्णपक्ष प्रतिपदा, विक्रमी संवत् 2083

दिनांक 23 जनवरी 2026 को माँ सरस्वती पूजन के पावन दिवस पर नूतन विद्या भारती भवन का वास्तु पूजन शास्त्र-संगत विधि विधान से संपन्न हुआ।

"विद्या भारती भवन" लोकार्पण कार्यक्रम

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय
नेहरू नगर, महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली–110065
vidyabharatiabss@gmail.com www.vidyabharti.net